ISSN: 2456–5474 RNI No.UPBIL/2016/68367 Vol.-6* Issue-11*December- 2021
Innovation The Research Concept

उत्तराखण्ड के कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्राओं की शैक्षिक सम्प्राप्ति एवं स्व-अवधारणा के मध्य सहसम्बन्ध का अध्ययन

Study of the Correlation Between Academic Achievement and Self-Concept of Girl Students Studying in Kasturba Gandhi Balika Vidyalaya of Uttarakhand

Paper Submission: 01/12/2021, Date of Acceptance: 10/12/2021, Date of Publication: 11/12/2021

सुमन लता तिरुवा
शोधार्थिनी,
शिक्षाशास्त्र विभाग,
हे0न0ब0ग0 विश्वविद्यालय,
श्रीनगर, गढ़वाल, उत्तराखंड,
भारत

कुलदीप कुमार
असिस्टेंट प्रोफेसर,
हे0न0ब0ग0 विश्वविद्यालय,
श्रीनगर, गढ़वाल, उत्तराखंड,
भारत

सारांश

स्व-अवधारणा स्वयं को समझने का एक प्रयास है जो हमारी भावनाओं, धारणाओं दृष्टिकोण को व्यवस्थित करता है। प्रस्तुत शोध में उत्तराखण्ड के कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालयों में अध्ययनरत् उच्च प्राथमिक स्तर की छात्राओं की शैक्षिक सम्प्राप्ति एवं स्व-अवधारणा के मध्य सहसम्बन्ध का अध्ययन करने का प्रयास किया गया है। प्रस्तुत शोध का मुख्य उद्देश्य छात्राओं की शैक्षिक सम्प्राप्ति पर स्व-अवधारणा के सभी आयामों के प्रभाव काअध्ययन करना है। इस शोध में वर्णनात्मक शोधविधि का प्रयोग किया गया है। अध्ययन हेतु उत्तराखण्ड राज्य के कुमाँऊ मंडल और गढ़वाल मंडल में संचालित कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालयों में अध्ययनरत 200 बालिकाओं का चयन न्यादर्श के रुप में किया गया। न्यादर्श का चयन करने के लिए बहुस्तरीय स्तरीकृत यादृच्छिक न्यादर्श प्रविधिका प्रयोग किया गया। परिणामों से स्पष्ट हुआ कि छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि का स्व-अवधारणा के सात आयामों (सामाजिक, संवेगात्मक, राजनीतिक, संज्ञानात्मक, व्यवसाय सम्बन्धित, धार्मिक एवं परम्परागत व शारीरिक स्व-अवधारणा) से सार्थक एवं धनात्मक सहसम्बन्ध पाया गया है। परन्तु सौन्दर्यात्मक स्व-अवधारणा का उनकी शैक्षिक सम्प्राप्ति पर कोई सार्थक प्रभाव नहीं पाया गया।

Self-concept is a way of organizing our feelings, perceptions, and attitudes in order to better understand ourselves. The purpose of this study is to look into the relationship between academic achievement and self-concept among upper primary school girls in Kasturba Gandhi Balika Vidyalaya of Uttarakhand. The primary goal of this study is to investigate the impact of all aspects of self-concept on academic achievement in female students. In this study, a descriptive research method was adopted. A sample of 200 girls from the Kasturba Gandhi Balika Vidyalaya in Kumaon Mandal and Garhwal Mandal of Uttarakhand, were chosen for the study. A multistage stratified random sampling method was used for sample selection. Academic achievement of female students was found to have a positive and significant relationship with seven dimensions of self-concept, according to the findings (social, emotional, political, cognitive, occupational, religious and traditional and physical self-concept). However, there was no significant effect of aesthetic self-concept on their academic achievement.

मुख्य शब्दः-कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय, शैक्षिक सम्प्राप्ति एवं स्व-अवधारणा।
Keywords:- Kasturba Gandhi Balika Vidyalaya, Academic achievement and Self-concept.

प्रस्तावना

स्व-अवधारणा का तात्पर्य स्वयं के विषय में विचारों, भावनाओं, दृष्टिकोण एवं समग्रता से है। यह स्वयं को समझने का एक प्रयास है। स्व-अवधारणा हमारी भावनाओं, धारणाओं दृष्टिकोण को व्यवस्थित करता है। साधारणतः स्व-अवधारणा इस प्रश्न का उत्तर देती है कि 'मैं कौन हूँ'। स्व-अवधारणा को जटिल की समग्रता, सीखने की मान्यताओं, दृष्टिकोणों की संगठित एवं गतिशील प्रणाली के रूप में परिभाषित किया जा सकता है। यह व्यक्ति के व्यक्तिगत अस्तित्व से सम्बन्धित है। फ्रांस्वा (1996) के अनुसार, ''स्व-अवधारणा को स्वयं के प्रति अवधारणा अथवा स्वयं के रूप में परिभाषित किया जा सकता है।'' स्व-अवधारणा निरन्तर आत्म-मूल्यांकन तथा विभिन्न परिस्थितियों के माध्यम से विकसित होती है। होटर (1985) के शब्दों में, ''स्व-अवधारणा अनेक चरणों में विकसित होती है''। विद्यार्थियों के व्यक्तित्व का विकास

तथा सफलता उसकी स्व-अवधारणा पर निर्भर करती है। अनेक शोधार्थियों ने अपने अध्ययनों से स्पष्ट किया है कि स्व-अवधारणा विद्यार्थियों के सामाजिक, मनोवैज्ञानिक, संवेगात्मक तथा शैक्षिक क्षेत्र को सार्थ रूप से प्रभावित करती है।

सम्बन्धित साहित्य का अध्ययन से स्पष्ट होता है कि स्व-अवधारणा विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि को प्रभावित करता है। चामुन्देश्वरी, श्रीदेवी एवं कुमारी (2014) द्वारा किये गये शोध में विद्यार्थियों की स्व-अवधारणा, अध्ययन आदतों एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सार्थक सहसम्बन्ध पाया गया। खान एवं आलम (2015) द्वारा विद्यार्थियों की शैक्षिक चिन्ता एवं स्व-अवधारणा के मध्य सार्थक ऋणात्मक सहसम्बन्ध पाया गया। मौर्या एवं सिंह (2016) द्वारा विद्यार्थियों की स्व-अवधारणा एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्य उच्च धनात्मक सहसम्बन्ध पाया गया।बर्मन (2018) द्वारा माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि एवं स्व-अवधारणा के मध्य सार्थक धनात्मक सहसम्बन्ध पाया गया।पुजु एवं खान (2019) द्वारा दृष्टि बाधित तथा श्रवण बाधित विद्यार्थियों की स्व-अवधारणा और अध्ययन आदतों के मध्य सार्थक धनात्मक सहसम्बन्ध पाया गया। शोधार्थिनी ने अनुभव किया कि शैक्षिक उपलब्धि एवं स्व-अवधारणा के मध्य अनेक शोध कार्य किये गये हैं परन्तु कोई भी शोधकार्य उत्तराखण्ड के कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालयों में अध्ययनरत् उच्च प्राथमिक स्तर कीछात्राओं पर नहीं किया गया है। अतः कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालयों में अध्ययनरत् उच्च प्राथमिक स्तर कीछात्राओं की शैक्षिक सम्प्राप्ति एवं स्व-अवधारणा के मध्य सहसम्बन्ध का अध्ययन किया जाना चाहिए।

समस्या कथन

"उत्तराखण्ड के कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्राओं की शैक्षिक सम्प्राप्ति एवं स्व-अवधारणा के मध्य सहसम्बन्ध का अध्ययन"

अध्ययन के उद्देश्य

कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्राओं की शैक्षिक सम्प्राप्ति का स्व-अवधारणा तथा उसके समस्त आयामों के साथ सहसम्बन्ध का अध्ययन करना।

शोध की परिकल्पनाएं

प्रस्तुत शोध में निम्न शून्य परिकल्पनाओंका प्रतिपादन किया गया है:-

1. कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्राओं की शैक्षिक सम्प्राप्ति एवं सामाजिक स्व-अवधारणा के मध्य सार्थक सहसम्बन्ध नहीं है।
2. कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्राओं की शैक्षिक सम्प्राप्ति एवं संवेगात्मक स्व-अवधारणा के मध्य सार्थक सहसम्बन्ध नहीं है।
3. कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्राओं की शैक्षिक सम्प्राप्ति एवं राजनीतिक स्व-अवधारणा के मध्य सार्थक सहसम्बन्ध नहीं है।
4. कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्राओं की शैक्षिक सम्प्राप्ति एवं संज्ञानात्मक स्व-अवधारणा के मध्य सार्थक सहसम्बन्ध नहीं है।
5. कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्राओं की शैक्षिक सम्प्राप्ति एवं व्यवसाय सम्बन्धित स्व-अवधारणा के मध्य सार्थक सहसम्बन्ध नहीं है।
6. कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्राओं की शैक्षिक सम्प्राप्ति एवं धार्मिक एवं परम्परागत स्व-अवधारणा के मध्य सार्थक सहसम्बन्ध नहीं है।
7. कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्राओं की शैक्षिक सम्प्राप्ति एवं शारीरिक स्व-अवधारणा के मध्य सार्थक सहसम्बन्ध नहीं है।
8. कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्राओं की शैक्षिक सम्प्राप्ति एवं सौन्दर्यात्मक स्व-अवधारणा के मध्य सार्थक सहसम्बन्ध नहीं है।
9. कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्राओं की शैक्षिक सम्प्राप्ति एवं पूर्ण स्व-अवधारणा के मध्य सार्थक सहसम्बन्ध नहीं है।

शोध विधि

प्रस्तुत शोध हेतु वर्णनात्मक शोधविधि का प्रयोग किया गया है।

न्यादर्श एवं न्यादर्श प्रविधि

प्रस्तुत शोध में उत्तराखण्ड राज्य के कुमाँऊ मंडल और गढ़वाल मंडल में संचालित कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालयों में अध्ययनरत 200बालिकाओं का चयन न्यादर्श के रुप में किया गया। न्यादर्श का चयन करने के लिए यादृच्छिक न्यादर्श प्रविधिका प्रयोग किया गया।

सांख्यिकीय प्रविधियाँ

एकत्रित प्रदत्तों का विश्लेषण करने के लिए पियरसन सहसम्बन्ध गुणांक का प्रयोग किया गया है।

व्याख्या एवं विश्लेषण

प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या निम्न प्रकार है

सारणी -1

छात्राओं की शैक्षिक सम्प्राप्ति एवं सामाजिक स्व-अवधारणा के मध्य सहसम्बन्ध गुणांक

चर	आवृत्ति अंश	सहसम्बन्ध गुणांक	परिणाम
शैक्षिक सम्प्राप्ति	198	0.364**	0.01 स्तर पर सार्थक
सामाजिक स्व-अवधारणा			

सारणी 1 से स्पष्ट है कि छात्राओं की शैक्षिक सम्प्राप्ति एवं सामाजिक स्व-अवधारणा के मध्य सहसम्बन्ध गुणांक 0.364प्राप्त हुआ है, जो धनात्मक तथा निम्न कोटि का है। यह मान चरों के मध्य धनात्मक तथा निम्न कोटि के सहसम्बन्ध को प्रदर्शित करता है। प्राप्त सहसम्बन्ध गुणांक 0.01 सार्थकता स्तरपर सार्थक है क्योंकि यह मान आवृति अंश198 पर सारणी मान 0.181 से भी अधिक है।इससे यह स्पष्ट है कि छात्राओं की शैक्षिक सम्प्राप्ति एवं सामाजिक स्व-अवधारणा के मध्य मेंसार्थक सहसम्बन्ध है। अतः उप-परिकल्पना कि ''कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालयों में अध्ययनरत छात्राओं की शैक्षिक सम्प्राप्ति एवं सामाजिक स्व-अवधारणा के मध्य सार्थक सहसम्बन्ध नहीं है'' पूर्ण रूप से निरस्त की जाती है।

सारणी -2

छात्राओं की शैक्षिक सम्प्राप्ति एवं संवेगात्मक स्व-अवधारणा के मध्य सहसम्बन्ध गुणांक

चर	आवृत्ति अंश	सहसम्बन्ध गुणांक	परिणाम
शैक्षिक सम्प्राप्ति	198	0.347**	0.01 स्तर पर सार्थक
संवेगात्मक स्व-अवधारणा			

सारणी 2 से स्पष्ट है कि छात्राओं की शैक्षिक सम्प्राप्ति एवं संवेगात्मक स्व-अवधारणा के मध्य सहसम्बन्ध गुणांक 0.347प्राप्त हुआ है, जो धनात्मक तथा निम्न कोटि का है। यह मान दोनों चरों के मध्य धनात्मक तथा निम्न कोटि के सहसम्बन्ध को प्रदर्शित करता है। प्राप्त सहसम्बन्ध गुणांक 0.01 सार्थकता स्तरपर सार्थक है क्योंकि यह मान आवृति अंश198 पर सारणी मान 0.181 से भी अधिक है।इससे यह स्पष्ट है कि छात्राओं की शैक्षिक सम्प्राप्ति एवं संवेगात्मक स्व-अवधारणा के मध्य मेंसार्थक सहसम्बन्ध है। अतः उप-परिकल्पना कि ''कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालयों में अध्ययनरत छात्राओं की शैक्षिक सम्प्राप्ति एवं संवेगात्मक स्व-अवधारणा के मध्य सार्थक सहसम्बन्ध नहीं है'' पूर्ण रूप से निरस्त की जाती है।

सारणी -3

छात्राओं की शैक्षिक सम्प्राप्ति एवं राजनीतिक स्व-अवधारणा के मध्य सहसम्बन्ध गुणांक

चर	आवृत्ति अंश	सहसम्बन्ध गुणांक	परिणाम
शैक्षिक सम्प्राप्ति	198	0.407**	0.01 स्तर पर सार्थक
राजनीतिक स्व-अवधारणा			

सारणी 3 से स्पष्ट है कि छात्राओं की शैक्षिक सम्प्राप्ति एवं राजनीतिक स्व-अवधारणा के मध्य सहसम्बन्ध गुणांक 0.407प्राप्त हुआ है, जो धनात्मक तथा निम्न कोटि का है। यह मान दोनों चरों के मध्य धनात्मक तथा निम्न कोटि के सहसम्बन्ध को प्रदर्शित करता है। प्राप्त सहसम्बन्ध गुणांक 0.01 सार्थकता स्तरपर सार्थक है क्योंकि यह मान आवृति अंश198 पर सारणी मान 0.181 से भी अधिक है।इससे यह स्पष्ट है कि छात्राओं की शैक्षिक सम्प्राप्ति एवं राजनीतिक स्व-अवधारणा के मध्य मेंसार्थक सहसम्बन्ध है। अतः उप-परिकल्पना कि ''कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालयों में अध्ययनरत छात्राओं की शैक्षिक सम्प्राप्ति एवं राजनीतिक स्व-अवधारणा के मध्य सार्थक सहसम्बन्ध नहीं है'' पूर्ण रूप से निरस्त की जाती है।

सारणी -4

छात्राओं की शैक्षिक सम्प्राप्ति एवं संज्ञानात्मक स्व-अवधारणा के मध्य सहसम्बन्ध गुणांक

चर	आवृत्ति अंश	सहसम्बन्ध गुणांक	परिणाम
शैक्षिक सम्प्राप्ति	198	0.400**	0.01 स्तर पर सार्थक
संज्ञानात्मक स्व-अवधारणा			

सारणी 4 से स्पष्ट है कि छात्राओं की शैक्षिक सम्प्राप्ति एवं संज्ञानात्मक स्व-अवधारणा के मध्य सहसम्बन्ध गुणांक 0.400प्राप्त हुआ है, जो धनात्मक तथा निम्न कोटि का है। यह मान दोनों चरों के मध्य धनात्मक तथा निम्न कोटि के सहसम्बन्ध को प्रदर्शित करता है। प्राप्त सहसम्बन्ध गुणांक 0.01 सार्थकता स्तरपर सार्थक है क्योंकि यह मान आवृति अंश198 पर सारणी मान 0.181 से भी अधिक है।इससे यह स्पष्ट है कि छात्राओं की शैक्षिक सम्प्राप्ति एवं संज्ञानात्मक स्व-अवधारणा के मध्य में सार्थक सहसम्बन्ध है। अतः उप-परिकल्पना कि ''कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालयों में अध्ययनरत छात्राओं की शैक्षिक सम्प्राप्ति एवं संज्ञानात्मक स्व-अवधारणा के मध्य सार्थक सहसम्बन्ध नहीं है'' पूर्ण रूप से निरस्त की जाती है।

सारणी -5

छात्राओं की शैक्षिक सम्प्राप्ति एवं व्यवसाय सम्बन्धित स्व-अवधारणा के मध्य सहसम्बन्ध गुणांक

चर	आवृत्ति अंश	सहसम्बन्ध गुणांक	परिणाम
शैक्षिक सम्प्राप्ति	198	0.399''	0.01 स्तर पर सार्थक
व्यवसाय सम्बन्धित स्व-अवधारणा			

सारणी 5 से स्पष्ट है कि छात्राओं की शैक्षिक सम्प्राप्ति एवं व्यवसाय सम्बन्धित स्व-अवधारणा के मध्य सहसम्बन्ध गुणांक 0.399प्राप्त हुआ है, जो धनात्मक तथा निम्न कोटि का है। यह मान दोनों चरों के मध्य धनात्मक तथा निम्न कोटि के सहसम्बन्ध को प्रदर्शित करता है। प्राप्त सहसम्बन्ध गुणांक 0.01 सार्थकता स्तरपर सार्थक है क्योंकि यह मान आवृति अंश198 पर सारणी मान 0.181 से भी अधिक है।इससे यह स्पष्ट है कि छात्राओं की शैक्षिक सम्प्राप्ति एवं व्यवसाय सम्बन्धित स्व-अवधारणा के मध्य मेंसार्थक सहसम्बन्ध है। अतः उप-परिकल्पना कि ''कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालयों में अध्ययनरत छात्राओं की शैक्षिक सम्प्राप्ति एवं व्यवसाय सम्बन्धित स्व-अवधारणा के मध्य सार्थक सहसम्बन्ध नहीं है'' पूर्ण रूप से निरस्त की जाती है।

सारणी -6

छात्राओं की शैक्षिक सम्प्राप्ति एवं धार्मिक एवं परम्परागत स्व-अवधारणा के मध्य सहसम्बन्ध गुणांक

चर	आवृत्ति अंश	सहसम्बन्ध गुणांक	परिणाम
शैक्षिक सम्प्राप्ति	198	0.325''	0.01 स्तर पर सार्थक
धार्मिक एवं परम्परागत स्व-अवधारणा			

सारणी 6 से स्पष्ट है कि छात्राओं की शैक्षिक सम्प्राप्ति एवं धार्मिक एवं परम्परागत स्व-अवधारणा के मध्य सहसम्बन्ध गुणांक 0.325प्राप्त हुआ है, जो धनात्मक तथा निम्न कोटि का है। यह मान दोनों चरों के मध्य धनात्मक तथा निम्न कोटि के सहसम्बन्ध को प्रदर्शित करता है। प्राप्त सहसम्बन्ध गुणांक 0.01 सार्थकता स्तरपर सार्थक है क्योंकि यह मान आवृति अंश198 पर सारणी मान 0.181 से भी अधिक है।इससे यह स्पष्ट है कि छात्राओं की शैक्षिक सम्प्राप्ति एवं धार्मिक एवं परम्परागत स्व-अवधारणा के मध्य मेंसार्थक सहसम्बन्ध है। अतः उप-परिकल्पना कि ''कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालयों में अध्ययनरत छात्राओं की शैक्षिक सम्प्राप्ति एवं धार्मिक एवं परम्परागत स्व-अवधारणा के मध्य सार्थक सहसम्बन्ध नहीं है'' पूर्ण रूप से निरस्त की जाती है।

सारणी -7

छात्राओं की शैक्षिक सम्प्राप्ति एवं शारीरिक स्व-अवधारणा के मध्य सहसम्बन्ध गुणांक

चर	आवृत्ति अंश	सहसम्बन्ध गुणांक	परिणाम
शैक्षिक सम्प्राप्ति	198	0.302''	0.01 स्तर पर सार्थक
शारीरिक स्व-अवधारणा			

सारणी 7 से स्पष्ट है कि छात्राओं की शैक्षिक सम्प्राप्ति एवं शारीरिक स्व-अवधारणा के मध्य सहसम्बन्ध गुणांक 0.302प्राप्त हुआ है, जो धनात्मक तथा निम्न कोटि का है। यह मान दोनों चरों के मध्य धनात्मक तथा निम्न कोटि के सहसम्बन्ध को प्रदर्शित करता है। प्राप्त सहसम्बन्ध गुणांक 0.01 सार्थकता स्तरपर सार्थक है क्योंकि यह मान आवृति अंश198 पर सारणी मान 0.181 से भी अधिक है।इससे यह स्पष्ट है कि छात्राओं की शैक्षिक सम्प्राप्ति एवं शारीरिक स्व-अवधारणा के मध्य मेंसार्थक सहसम्बन्ध है। अतः उप-परिकल्पना कि ''कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालयों में अध्ययनरत छात्राओं की शैक्षिक सम्प्राप्ति एवं शारीरिक स्व-अवधारणा के मध्य सार्थक सहसम्बन्ध नहीं है'' पूर्ण रूप से निरस्त की जाती है।

सारणी -8

छात्राओं की शैक्षिक सम्प्राप्ति एवं सौन्दर्यात्मक स्व-अवधारणा के मध्य सहसम्बन्ध गुणांक

चर	आवृत्ति अंश	सहसम्बन्ध गुणांक	परिणाम
शैक्षिक सम्प्राप्ति	198	-0.009	असार्थक
सौन्दर्यात्मक स्व-अवधारणा			

सारणी 8 से स्पष्ट है कि छात्राओं की शैक्षिक सम्प्राप्ति एवं सौन्दर्यात्मक स्व-अवधारणा के मध्य सहसम्बन्ध गुणांक -0.009प्राप्त हुआ है, जो ऋणात्मक तथा अति निम्न कोटि का है। यह मान चरों के मध्य ऋणात्मक तथा अति निम्न कोटि के सहसम्बन्ध को प्रदर्शित करता है। प्राप्त सहसम्बन्ध गुणांक0.05 सार्थकता स्तरपर भी सार्थक नहीं है क्योंकि यह मान आवृति अंश198 पर सारणी मान 0.138 से बहुत कम है।इससे यह स्पष्ट है कि छात्राओं की शैक्षिक सम्प्राप्ति एवं सौन्दर्यात्मक स्व-अवधारणामें ऋणात्मक सहसम्बन्ध तो है परन्तु सार्थक स्तर तक नहीं है। अतः उप-परिकल्पना कि ''कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालयों में अध्ययनरत छात्राओं की शैक्षिक सम्प्राप्ति एवं सौन्दर्यात्मक स्व-अवधारणा के मध्य सार्थक सहसम्बन्ध नहीं है'' पूर्ण रूप से स्वीकृत की जाती है।

सारणी -9

छात्राओं की शैक्षिक सम्प्राप्ति एवं पूर्ण स्व-अवधारणा के मध्य सहसम्बन्ध गुणांक

चर	आवृत्ति अंश	सहसम्बन्ध गुणांक	परिणाम
शैक्षिक सम्प्राप्ति	198	0.588''	0.01 स्तर पर सार्थक
पूर्ण स्व-अवधारणा			

सारणी 9 से स्पष्ट है कि छात्राओं की शैक्षिक सम्प्राप्ति एवं पूर्ण स्व-अवधारणा के मध्य सहसम्बन्ध गुणांक 0.588प्राप्त हुआ है, जो धनात्मक तथाऔसत स्तर काहै। यह मान दोनों चरों के मध्य धनात्मक तथासामान्यसहसम्बन्ध को प्रदर्शित करता है। प्राप्त सहसम्बन्ध गुणांक 0.01 सार्थकता स्तरपर सार्थक है क्योंकि यह मान आवृति अंश198 पर सारणी मान 0.181 से भी अधिक है।इससे यह स्पष्ट है कि छात्राओं की शैक्षिक सम्प्राप्ति एवं पूर्ण स्व-अवधारणा के मध्य मेंसार्थक सहसम्बन्ध है। अतः उप-परिकल्पना कि ''कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालयों में अध्ययनरत छात्राओं की शैक्षिक सम्प्राप्ति एवं पूर्ण स्व-अवधारणा के मध्य सार्थक सहसम्बन्ध नहीं है'' पूर्ण रूप से निरस्त की जाती है।

निष्कर्ष

प्रस्तुत शोध में छात्राओं की शैक्षिक सम्प्राप्ति तथा स्व-अवधारणा के मध्य सहसम्बन्ध का अध्ययन किया गया है। आँकडों के विश्लेषण के पश्चात छात्राओं की शैक्षिक सम्प्राप्ति का स्व-अवधारणा के सात आयामों यथा - सामाजिक, संवेगात्मक, राजनीतिक, संज्ञानात्मक, व्यवसाय सम्बन्धित, धार्मिक एवं परम्परागत व शारीरिक स्व-अवधारणा के साथ धनात्मक तथा सार्थक सहसम्बन्ध पाया गया है। जिससे स्पष्ट होता है कि उच्च सामाजिक, संवेगात्मक, राजनीतिक, संज्ञानात्मक, व्यवसाय सम्बन्धित, धार्मिक एवं परम्परागत व शारीरिक स्व-अवधारणा वाली छात्राओं की शैक्षिक सम्प्राप्ति उच्च होती है।

इसके साथ-साथ छात्राओं की शैक्षिक सम्प्राप्ति एवं पूर्ण स्व-अवधारणा के मध्य भी धनात्मक तथा सार्थक सहसम्बन्ध पाया गया है। अर्थात जिन छात्राओं की स्व-अवधारणा उच्च स्तर की होती है उनकी शैक्षिक सम्प्राप्ति भी उच्च होती है। दूसरी ओर, सौन्दर्यात्मक स्व-अवधारणा का शैक्षिक सम्प्राप्ति के साथ सार्थक सहसम्बन्ध नहीं पाया गया। स्पष्टतः छात्राओं की शैक्षिक सम्प्राप्ति पर उनकी सौन्दर्यात्मक स्व-अवधारणा का सार्थक प्रभाव नहीं पडता।

शैक्षिक निहितार्थ

प्रस्तुत शोध में छात्राओं की शैक्षिक सम्प्राप्ति पर स्व-अवधारणा का धनात्मक प्रभाव पाया गया है जो यह स्पष्ट करता है कि छात्राओं की स्व-अवधारणा जितनी अधिक उच्च होगी उतना ही उच्च उनकी शैक्षिक सम्प्राप्ति का स्तर होगा। इस परिणाम के परिप्रेक्ष्य में यह कहा जा सकता है कि छात्राओं की स्व-अवधारणा को उच्च करने का प्रयास किया जाना चाहिए। स्व-अवधारणा का सम्बन्ध स्वयं के प्रति सोच से है। अतः आवश्यक है कि छात्राओं में आत्म-सम्मान की भावना का विकास किया जाए। छात्राओं को पाठयक्रम सहगामी क्रियाओं में प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए जिससे वे अपनी शक्तियों, योग्यताओं व क्षमताओं को पहचान सके। बाल्यावस्था से ही बालिकाओं का पालन-पोषण इस प्रकार किया जाना चाहिए कि वे स्वयं के महत्व को समझ सके। परिवार तथा विद्यालय में छात्राओं को स्वतन्त्र तथा अनुकूल वातावरण प्रदान किया जाना चाहिए जहाँ वे स्वयं के विचारों, इच्छाओं तथा भावनाओं को स्वतन्त्रतापूर्वक सबके समक्ष रख सके।

स्व-अवधारणा का विकास करने के लिए यह भी आवश्यक है कि छात्राओं में आत्म-विश्वास की भावना का विकास किया जाए और यह कार्य विद्यालय तथा परिवार में बालिकाओं को विशेष एवं महत्वपूर्ण उत्तरदायित्व देकर पूर्ण किया जा सकता है। स्व-अवधारणा का विकास अभिभावकों एवं अध्यापकों द्वारा बालक-बालिकाओं के साथ किये जाने वाले व्यवहार पर भी निर्भर करता है। बाल्यकाल से ही बालकों तथा बालिकाओं में भेदभाव नहीं किया जाना चाहिए वरन् बालिकाओं को यह अनुभव कराया जाना चाहिए कि वे परिवार के लिए विशेष एवं महत्वपूर्ण हैं। इसके साथ-साथ बालिकाओं का पर्याप्त सम्मान किया जाना चाहिए तथा समय-समय पर उनकी प्रशंसा भी की जानी चाहिए। शोधार्थिनी का मत है कि उपर्युक्त सुझावों को अपनाकर छात्राओं की स्व-अवधारणा के स्तर को उच्च किया जा सकता है जो अन्ततः उनकी शैक्षिक सम्प्राप्ति को उच्च करने में भी सक्षम हो सकेगा।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

1. *चामुन्देश्वरी, एस0, श्रीदेवी, वी0 एवं कुमारी, ए0 (2014). सैल्फ-कॉन्सेप्ट, स्टडी हैबिट एण्ड एकेडमिक अचीवमैन्ट ऑफ स्टूडेन्टस. इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ हयूमैनिटीज सोशल साइन्सेज एण्ड एजुकेशन, 1(10), 47-55।*
2. *खान, ए0 एवं आलम, एस0 (2015). एकेडमिक स्टैªस एण्ड सैल्फ-कॉन्सेप्ट ऑफ हाईस्कूल स्टूडेन्टस. इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ एप्लाइड रिसर्च, 1(11), 317-322।*
3. *पुजु, जे0ए0 एवं खान, एम0ए0 (2019). सैल्फ-कॉन्सेप्ट एण्ड स्टडी हैबिट्स ऑफ विजुवली इम्पैयर्ड एण्ड हियरिंग इम्पैयर्ड कॉलेज गोईंग स्टूडेन्टस. रिसर्च रिव्यू-इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ मल्टीडिसीप्लीनरी, 4(2), 352-356।*
4. *फ्रांस्वा (1996). द लाइफस्पैन,न्यूयार्कः वाडस्वर्थ।*
5. *बर्मन, टी0 (2018). इम्पैक्ट ऑफ सैल्फ-कॉन्सेप्ट ऑन एकेडमिक अचीवमैन्ट ऑफ सैकेन्डरी स्टूडेन्टस विद रिलेशन टू देयर जैन्डर ऑफ कूचबिहार डिस्ट्रिक्ट. जैनिथ-इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ मल्टीडिसीप्लीनरी रिसर्च, 8(8), 87-101।*
6. *मौर्या, आर0 एवं सिंह, वी0के0 (2016). ए स्टडी ऑफ सैल्फ-कॉन्सेप्ट ऑफ हियरिंग इम्पैयर्ड चिल्ड्रन इन रिलेशन टू देयर एकेडमिक अचीवमैन्ट. इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ एडवान्सड एजुकेशन एण्ड रिसर्च, 1(5), 39-42।*
7. *होटर (1985). कॉम्पिटेन्स एज डाइमैन्शन ऑफ सैल्फ-इवैल्यूएशनः टूवार्ड ए काम्प्रिहेन्सिव मॉडल ऑफ सैल्फ-वर्थ, द डवल्पमेन्ट ऑफ द सैल्फ, एकेडमिक प्रैस, न्यूयार्क, यू0एस0ए0, 76-80।*